NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2019

HINDI SECOND ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER I

MARKING GUIDELINES

Time: 2 hours 100 marks

These marking guidelines are prepared for use by examiners and sub-examiners, all of whom are required to attend a standardisation meeting to ensure that the guidelines are consistently interpreted and applied in the marking of candidates' scripts.

The IEB will not enter into any discussions or correspondence about any marking guidelines. It is acknowledged that there may be different views about some matters of emphasis or detail in the guidelines. It is also recognised that, without the benefit of attendance at a standardisation meeting, there may be different interpretations of the application of the marking guidelines.

IEB Copyright © 2019

भाग क

प्रश्न एक

छत्रपति शिवाजी

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में हिन्दी में लिखिए ।

भारत की भूमि पर जन्मे वीरों की शौर्य गाथायें राष्ट्रवासियों के गौरव की सूचक हैं। छत्रपति शिवाजी मराठा साम्राज्य के संस्थापक थे। युगों तक भारत भूमि इनके बलिदान की ऋणी रहेगी।

छत्रपति शिवाजी का जन्म सन् 1627 ई. में पूना के निकट शिवनेरी दुर्ग में हुआ था। इनकी माता जीजाबाई एक धार्मिक विचारों की महिला थीं। छत्रपित शिवाजी के चारित्रिक निर्माण में उनकी माता जीजाबाई का विशेष योगदान था। अपनी माँ से उन्होंने स्त्रियों और सब धर्मों का सम्मान करना सीखा।

आवश्यकता आविष्कार की जननी है। जब आवश्यकता होती है तो उसे पूरा करने का कोई न कोई साधन भी मिल जाता है। इसी प्रकार जब देश और समाज में अत्याचार बढ़ जाते हैं तो उन्हें दूर करने वाला कोई न कोई वीर अवश्य जन्म लेता है। मुग़ल अत्याचार बढ़ रहे थे। हिन्दुओं से कर लिया जाता था। उन्हें अपमानित किया जाता था। राजपूत राजा भी बहुत कमजोर थे। उनमें मुग़ल बादशाहों का मुकाबला करने की शक्ति नहीं थी। ऐसी परिस्थितियों में हिन्दू धर्म के रक्षक शिवाजी का जन्म हुआ था।

पालन-पोषण- शिवाजी का पालन-पोषण जीजाबाई ने किया था। वह शिवाजी को महापुरूषों की कथाएँ सुनाती थीं। उसने धर्म और जाति की रक्षा का भाव शिवाजी में कूट कूट कर भर दिया था। शिवाजी पर उनकी माता की शिक्षाओं का बहुत प्रभाव पड़ा।

बाल्य काल- शिवाजी ने बचपन से ही तीर-तलवार चलाना, भाले बरछे चलाना, घुड़सवारी करना और नकली युद्ध करना शुरू कर दिया था। उनके दादा कोंडदेव ने इस युद्ध कौशल और शासन प्रबंध में निपुण कर दिया था। 19 वर्ष की छोटी सी आयु में शिवाजी ने बीजापुर के आस पास के कई किले जीत लिए थे।

अफ़ज़ल खाँ की हत्या- शिवाजी की बढ़ती ताकत को रोकने के लिए बीजापुर के शासक ने अपने सेनापति अफ़ज़ल खाँ को भेजा। अफ़ज़ल खाँ ने शिवाजी को पकड़ने का प्रयत्न किया, पर वह इसमें सफल नहीं हुआ। अफ़ज़ल खाँ ने छल कपट से शिवाजी को पकड़ने की चाल चली। शिवाजी को इसका पता चल गया। उन्होंने अफ़ज़ल खाँ पर छुरे से वार कर उसे मार गिराया।

शिवाजी की शक्ति को कुचलने के लिए औरंगजेब ने अपने सेनापति शाइस्ता खाँ को भेजा। शिवाजी ने उसे भी मार दिया। औरंगजेब ने इस बार अपने सेनापति जयसिंह को भेजा। जयसिंह के कहने पर शिवाजी आगरा जाने के लिए तैयार हो गए। वहाँ औरंगजेब ने उन्हें बन्दी बना लिया, पर शिवाजी बड़ी चतुराई से औरंगजेब के बन्दी गृह से भाग गए।
शिवाजी ने आगरा से लौटकर बहुत से और प्रदेश जीत लिए। उन्होंने सन् 1676 में अपना राज्य तिलक करवाया। रायगढ़ को उन्होंने अपनी राजधानी बनाया। सन् 1680 ई. में 53 वर्ष की आयु में रायगढ़ में ही उनका निधन हो गया।

[Source: <www.Hindivarta.com>]

१.१ छत्रपति शिवाजी का जन्म कब और कहाँ हुई ?

छत्रपति शिवाजी का जन्म सन् 1627 ई. में पूना के निकट शिवनेरी दुर्ग में हुआ था।

१.२ शिवाजी का बाल्य काल का वणर्न कीजिए ?

शिवाजी का पालन-पोषण जीजाबाई ने किया था। वह शिवाजी को महापुरूषों की कथाएँ सुनाती थीं। उसने धर्म और जाति की रक्षा का भाव शिवाजी में कूट कूट कर भर दिया था। शिवाजी पर उनकी माता की शिक्षाओं का बहुत प्रभाव पड़ा।

१.३ अफज़ल खां ने क्या किया ?

अपने सेनापति अफज़ल खाँ को भेजा। अफज़ल खाँ ने शिवाजी को पकड़ने का प्रयत्न किया, पर वह इसमें सफल नहीं हुआ। अफज़ल खाँ ने छल कपट से शिवाजी को पकड़ने की चाल चली। शिवाजी को इसका पता चल गया। उन्होंने अफज़ल खाँ पर छुरे से वार कर उसे मार गिराया।

१.४ औरंगजेब ने अपने सेनापति शाइस्ता खॉ को क्यों भेजा ?

शिवाजी की शक्ति को कुचलने के लिए औरंगजेब ने अपने सेनापति शाइस्ता खाँ को भेजा।

१.५ *"पालन पोषण "* अपने शब्दों में हिन्दी में समझाइए ?

किसी व्यक्ति को प्यार और देखभाल के साथ बढ़ाने के लिए उन्हें भोजन वस्त्र और एक अच्छी शिक्षा प्रदान करें। यह सुनिश्चित करने के लिए कि वातावरण सकारात्मक है। उन्हें अपने कर्तव्य के अनुसार प्रशिक्षण दें

१.६ *"आवश्यकता आविष्कार की जननी है "* अपने शबदों हिन्दी में समझाइए ?

यह सच है कि आविष्कार के लिए प्रेरणा की जरूरत है। जब जरूरत होती है तो सही व्यक्ति आगे आता है। वे एक विशेष कर्तव्य का पालन करने के लिए पैदा होते हैं।

प्रश्न दो

२. **दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखो।**

२.१ **कोष्ठक में से उचित उत्तर चुनकर लिखिए।**

२.१.१ पानी जीवन ____ *(की , __का__ , के) सहारा* है।

२.१.२ संयोग ____(में ,को ,__से__) आ कि।

२.१.३ युधिष्ठिर अपने कार्य ____ (पर ,से ,__में__) व्यस्त थे।

२.२ **ईन शब्दों की स्त्रिलिंग शब्द लिखिए।**

२.२.१ दुलहा दुलहिन

२.२.२ धोबी धोबिन

२.३ **नीचे लिखे वाक्यों को कम से लिखो।**

२.३.१ युध्द महाभारथ का हुआ । **महाभारथ का युध्द हुआ**

२.३.२ किनारे है सड़क के घर मेरा । **मेरा घर सड़क के किनारे है**

२.४ **ईन शब्दों को बहुवचन में लिखिए।**

३.४.१ कमरा **कमरे**

३.४.२ नदी **नदियॉं**

२.५ **वाक्य का सही काल लिखिए। कोष्ठक में से उत्तर चुनिए।**
(भूतकाल वर्तमान काल भविष्यत काल)

२.५.१ पिता जी कल डरबिन चले गए। **भूतकाल**

२.५.२ हम लोग मई में शिरडी जाएँगे। **भविष्यत काल**

२.५.३ गाड़ी स्टेशन जा रहा है। **वर्तमान काल**

२.६ **शब्द समूहों के लिए एक शब्द लिखिए।**

२.६.१ **जो मास में एक बार हो** । मसिक

२.६.२ जिसके हृदय में दया हो। दयावान

IEB Copyright © 2019

२.७ चित्र वर्णन : निम्न चित्र को देखकर प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

चित्र वर्णन

[Source: Good Morning Images]

२.७.१ यह कैसा सन्देश है ?

यह शुभ सन्देश है। ताकि व्यक्ति को साहस मिले

२.७.२ *" उदास होने के लिए उम्र पड़ी है "* अपने शब्दों में समझाइए?

किसी को दुखी नहीं होना चाहिए। आगे पूरा जीवनकाल है। इसलिए अब दुखी मत होना। जीवन की यात्रा में कई परिस्थितियाँ होंगी। फिर भी दुखी मत होना

२.७.३ यह सन्देश किसको बेजेगें ? बताओ कयों

जो दुखी महसूस कर रहा है। या दोस्त बनाने के लिए। जो दुःख महसूस कर रहा है उसे हिम्मत दे। अकेले महसूस करने पर आशा और समर्थन देना

२.७.४ चित्र क्या अर्थ बताते है ?

मुस्कुराते रहना चाहिए। मुस्कुराना और सकारात्मक रहना अच्छा है

२.७.५ मुस्कुराहट के पीछे क्या पड़ी हे ? अपने शब्दों में समझाइए?

हर मुस्कान के पीछे एक खुश इंसान होता है। हर मुस्कान सकारात्मक प्रतिक्रिया देती है।

भाग ख

साहित्य

प्रश्न ३ ः कविता

३.१ ध्वनि

३.१.१ इस कविता का केन्द्रीय विचार पर अपने शब्दों मे समझाइए ? ।

ध्वनि कहता है कि उसका अन्त कभी आएगा । इस समय उसके वन में वसन्त अपनी को मलता लेकर आया है ।वसन्त के आने से सब पत्ते हरे हैं । और डालियाँ और कलियाँ भी बहुत कोमल हैं । जब रात को कलियाँ भी बहुत कोमल हैं । जब रात को कलियाँ सो जाऍंगी तन । मैं उनको स्वपन को दुनियाँ में ले जाऊँ गा जब ताक वे सबेरे जागेंगे ।

३.२ शक्ति और सौन्दर्य

३.२.१ शक्ति ओर सौन्दर्य में क्यों तुलना की हैं ? इस पर चर्चा किजिए ।

इस कविता में उन्होंने शक्ति और सौंदर्य की तुलना की है । और इसमें उन्होंने शक्ति को अधिक महत्त्व दिया है । जिस प्रकार सूरज आकाश में चमकता और रोशनी और ताप देता है । कवि मनुष्य से प्रश्न हुए कह रहेम् हैं कि हे मनुष्य तुम रात का सुन्दरशांत चॉंद बनना पसन्द करोगे या दिन में तेज चमकने वाला और सुन्दर गरम सूरज बनना पसन्द करोगे ।

३.३ दीपक में पतंग जलता क्यों

३.३.१ निम्नलिखित पंत्तियों अध्ययन करके कविता का अर्थ पर प्रकाश दालिए ?

" *दीपक में पतंग जलता क्यों* ?
प्रय की आभा में जीता फिर ।
दूरी का अभिनय करता क्यों ।
पागल रे पतंग जलता क्यों । "

कवियि पूँछती है पतंग दीपक के चारों ओर फड़फड़ाकर क्यों जलता है । पतंग दीपक को अपना पिय समझता है और उसको चमक मेम् जीता है । फिर ऐस अभिनय वह क्योम् करता है जैसे कि वह दीपक से बहुत दूर है । वह समझती है कि पतंग पागल है । आग में जलकर जीवन गॅंवाता है । कवयित्री पूछती है पतंग दीपक के चारो ओर फड़फड़ाकर क्यों जलता है । पतंग दीपक को अपना प्रिय समझता है और उसको चमक में जीता है । फिर ऐसा अभिनय वह क्यों करता है । जैसे कि वह दीपक से बहुत दूर है । वह समझती है कि पतंग पागल है । वह कहती है कि उसका पागलपन शिखा में जलता है । तो वह घबराता क्यों है ।

३.४ केवट प्रसंग अथवा सुबोध सॉखियॉ - कबीरदास (answer either ३.४.१ or ३.४.२)

३.४.१ केवट प्रसंग ः ।

इन चौपाइयों को अपने शब्दों में हिन्दी में समझाइए ।

मॉगी नाव न केवटु आना । कहइ तुम्हार मरमु मै जाना ॥
चरन कमल रज कहुँसबु कहई । मानुष करनि मूरि कछु अहई ॥
छुअत सिला भइ नारि सुहाई । पाहन ते न काठ कठिनाई ॥
तरनिउ मुनि घरिनी होइ जाई । बाट परइ मोरि नाव उड़ाई ॥

हे नाथ मैं चरणकमल धोकर आपलोगोंको नावपर चढ़ा लूँगा । मैं आपसे कुछ उतराई नहीं चाहता । हे राम मुझे आपसे कुछ उतराई नहीं चाहता । हे राम । मुझे आपकी दुहाई ओर दशरथजी की सौगंध है । मैं सब सच सच कहता हूँ । लक्ष्मण भले ह मुझे तीर पर जबतक मैं पैरोंको पखार न लूँगा । तबतक हे तुलसीदासके नाथ । हे कृपालु । मैं पार नहीं उतारूँगा । कृपाके समुद्र श्रीरामचन्द्रजी केवटसे मुसकराकर बोले भाई । तू वही कर जिससे तेरी नाव न जाय । जल्दी पानी ला और पैर धो ले स देर हो रही है । पार उतार दे । मैं तो इसी नावसे सारे परिवारका पालन पोषण करता हूँ । दूसरा कोई धंधा नहीं जानता । हे प्रभु । यदि तुम अवश्य ही पार जाना चाहते हो तो मुझे पहले अपने चरणकमल पखारने के लिए कह दो ।

अथवा

३.४.२ सुबोध सॉखियॉ -कबीरदास ः इन दोहों को अपने शब्दों में हिन्दी में समझाइए ।

(क) *"परनारी राता फिरै , चोरी बिढ़िता खाहि ।*
दिवस चारि सरसा रहै , अंति समूला जाहि ॥"

परनारी से प्रीति राता फिरै । चोरी की कमाई खाते है । भले ही वे चार दिन फूले फूले फिरे । किन्तु अन्त में वे जड़मूल से नष्ट हो जाते है ।

(ख) *" सांच बराबर तप नहीं , झूठ बराबर पाप*
जिस हिरदय में सांच है , ता हिरदै हरि आप "

सत्य की तुलना में दूसरा कोई तप नहीं और झूठ के बराबर दूसरा पाप नहीं जिसके हृदय में सत्य रम गया वहॉ हरी का वास तो सदा रहेगा ही

IEB Copyright © 2019

प्रश्न ४ ः कहानी

पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए ः

४.१ **दुख का अधिकार ः** इस कहानी के मूल में आर्थिक विषमता की ओर संकेत किया गया है ?
अपने शब्दों में सझाइए

पोशाक ही समाज मेम् मनुष्य का अधिकार और उसका दर्जा निश्चित करती है । वह हमारे लिए अनेक बंद दरवाजे खोल देती है । परन्तु कभी ऐसी परिस्थिति जा जाती है जब हम नीचे झुककर समाज की निचली श्रेणियों की अनुभुति को समझना चाहते है । उस समय यह पोशक ही बन्धन और पैर की बेड़ी बन जाती है । जैसे वायु की लहरेम् कटी हुई पतंग को सहसा भूमी पर नहीं गिर जाने देती । उसी तरह खास परिस्थितियों मेम् हमारी पोशक हमें झुकने से रोके रहती है ।

अथवा

४.२ **काकी ः** "काकी" कहानी को संक्षेपमें लिखिए ?

श्यामू पतंग के लिए बहुत उत्कण्ठित हो उठा । वह अपनी इच्छा किसी तरह न रोक सका । एक जगह खूँटी पर विश्वेश्वर का कोट टँगा हुआ था । इधर-उधर देखकर उसने उसके पास एक स्टूल सरकाकर रखा और ऊपर चढ़कर कोट की जेबें टटोली । उनमें से एक चवन्नी का आविष्कार करके वह तुरन्त वहाँ से भाग गया यद्यपि बुद्धिमान गुरूजनों ने उसे विश्वास दिलाया कि उसकी काकी उसके मामा के यहाँ गई है . परन्तु असत्य के आवरण में सत्य बहुत समय तक छिप न रह सका । आसपास के अन्य अबोध बालकों के मुँह से ही वह प्रकट हो गया । यह बात उससे छिपी न रह सकी कि काकी और कहीं नहीं ,पर राम के यहाँ गई है ।

४.३ **चोरी ः** चोरी कहानी में चोरी के बारे में नन्दन क्या बोले और क्यों ?

नन्दन मुस्कराया । बोला ,"मालती . चोर बिन्दू नहीं है . हम हैं । हम क्यों ऐसी चीजें खाएँ . जो सबको नहीं मिलती ? इसी से तो चोरी की भावना को जन्म मिलता हैं । हम लोग रोज मेवा खाते हैं । एक दिन इस बेचारे का मन चल आया,और थोड़ी-सी ले ली ,तो क्या हो गया ?"

Total: 100 marks

IEB Copyright © 2019